Department of Political Science
D.B. College Jaynagar
B.A. III (Pub. Ad.)

By. A.K. Yadav
(Asstt. Prof. Gptt.)

Date - 25/09/20

Lecture No. 25

संगठन का महत्व
(Importance of Organisation)

किसी भी कार्य को सुव्यवस्थित समन्वय पूर्ण एवं सफल सुसंचालन हेतु संगठन अनिवार्य आवश्यकता है। वास्तव में किसी कार्य की सफलता या असफलता संगठन पर ही निर्भर है। यदि संगठन सुव्यवस्थित है तो जाहिर है कि कार्य में सफलता मिलेगी। और यदि संगठन में खामियाँ हैं तो कार्यों में असफलता मिलेगी। संगठन केवल प्रशासनिक क्षेत्र में ही अनिवार्य नहीं है बल्कि गैर प्रशासनिक क्षेत्र में भी इसकी अनिवार्यता स्वीकार की जाती रही है। संगठन की अनिवार्यता की जोरदार वकालत साइमन स्मिथबर्ग तथा थाम्पसन द्वारा की जाती रही है। इस प्रसंग में "सर्वविदित वाक्य को दोहराया जा सकता है। "यदि कोई अपने उद्देश्यों को पूरा करना चाहता है तो सबसे पहले उसे अपने सुव्यवस्थित संगठन का निर्माण करना चाहिए।"

प्रशासनिक क्रिया की शुरुआत संगठन निर्माण से शुरू होती है क्योंकि इसके बिना प्रशासन का अस्तित्व असंभव है। संगठन प्रशासनात्मक प्रक्रिया के लिए इसलिए अनिवार्य है कि इसमें व्यक्तियों का समूह होता है और प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन के लिये एक व्यक्ति नहीं बल्कि व्यक्तियों के समूह की आवश्यकता होती है।

आज संगठन की महत्ता इतनी बढ़ गई है कि L.D. White जैसा विद्वान कहता है कि "आज का व्यक्ति अपने व्यक्तित्व से कम संगठन से ज्यादा पहचाना जा रहा है क्योंकि आज व्यक्ति 'संगठन मानव' बन गया है।" वास्तव में हम आज व्यक्ति को उसके संगठन के सदस्य के रूप में पहचानते हैं। आज व्यक्ति ही नहीं बल्कि समाज में भी संगठन की व्यापक पहुँच हो गई है। तभी तो समाज को संगठनात्मक समाज और आज के जनसंख्या को संगठनात्मक व्यक्ति का नाम दिया जा रहा है। समाज में अगर अराजकता है, विषमता है, कानून व व्यवस्था की समस्या का बेहतर निदान नहीं हो पा रहा है तो इन सबका कारण संगठन को महत्व न प्रदान करना है या संगठन की खामियाँ हैं। इस बात से भी संगठन की महत्ता दृष्टिगोचर होती जा रही है। संगठन की महत्ता को स्पष्ट करने के लिये अमिताई इत्जिओनी के

Scanned with CamScanner

इस कथन को दोहराया जा सकता है कि " व्यक्ति संगठन में जन्म लेता है, संगठन में ही शिक्षित होता है, संगठन में ही जीवन व्यतीत करता है और संगठन में ही मर जाता है।" वास्तव में आज जो मानव जीवन की उपलब्धियाँ है, उन तमाम उपलब्धियों के पीछे संगठन का ही हाथ है।

एण्ड्रयू कार्नेगी ने संगठन के महत्व के बारे में कहा है कि " हमारे कारखानों, व्यापार, परिवहन की सुविधाओं तथा धन को ले लो, संगठन के अतिरिक्त हमारे पास कुछ न छोड़ो और चार वर्षों में ही स्वयं को स्थापित कर लेंगे।" कार्नेगी द्वारा जो संगठन को अधिक महत्व दिया गया है इसका प्रमुख कारण यह है कि संगठन व्यक्तिओं और समूहों के बीच कार्यों और कर्तव्यों को विभाजित करने की एक ऐसी प्रक्रिया है जो सभी के प्रयासों में समन्वय एवं सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करता है। वास्तव में संगठन ही लक्ष्यों की सफलता के मार्ग में सामूहिक क्रियाओं के प्रभाव को शक्ति देता है।

End

Scanned with CamScanner